|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 11. Juli | | | |
| **Fest des hl. Benedikt** | | | |
| Lesung: Spr 2,1-9; Evangelium: Mt 19,27-29 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 435, 1+2 | | Herr, ich bin dein Eigentum |
|  | GL 489, 1+2 | | Lasst uns loben |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | | Herr Jesus |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 167 | | Dir Gott im Himmel |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 34, 2-4.6.9 u. 12.14-15 | | |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 212 | | Kostet und seht |
|  | oder | |  |
|  | GL 543, 1-3 | | Wohl denen, die da wandeln |
|  | GL 433, 2 | | Schweige und höre |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 5 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *Selig, die arm sind vor Gott;* | | |
|  | *denn ihnen gehört das Himmelreich.* | | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 461, 1+2 | Mir nach | |
|  | GL 457, 1-3 | Suchen und fragen | |
|  | GL 456 | Herr, du bist mein Leben | |
|  | GL 458 | Selig seid ihr | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 193 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 777, 1+4 | Kommt, lasst uns | |
|  | GL 275, 1-3 | Selig, wem Christus | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 455, 1+2+4 | Alles meinem Gott zu Ehren | |